निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए : $1 \times 5 = 5$

आज सभ्यता दिन दूनी रात चौगुनी उन्नति कर रही है। सभ्यता का प्रचार-प्रसार आज इतना हो रहा है कि हम आज प्रकृति देवी का अनादर करने में तनिक भी संकोच नहीं कर रहे हैं। इसी कारण हमारी सभ्यता के सामने प्रकृति देवी उपेक्षित हो रही है। वनों का निरन्तर कटते जाना व धरती का नंगा रूप दिखाई देना इस तथ्य को प्रमाणित करते हैं कि हमने सभ्यता के नाम पर सबकी बलि देना स्वीकार कर लिया है। प्रकृति के मुख से हरीतिमा का घटना हमारी उद्दंडता का परिचायक है। जिस देवी द्वारा हमारा लालन-पालन हुआ उसी को हम आज उदास और दु:खी करने पर तुले हैं। क्या यह हमारे लिए शोभा या सम्मान का विषय है? सिकुड़ते वनों के कारण शुद्ध वायु व जल का धरातल पर मिलना मुश्किल हो रहा है। हमारा स्वास्थ्य व जीवन कष्टदायक हो रहा है। वनों के अभाव में जंगली जानवरों की कमी के कारण प्रकृति का सहज संतुलन बिगड़ चुका है। सिकुड़ते वनों के कारण ही हम प्रकृति देवी के स्वच्छंद और उन्मुक्त स्वरूप को कृत्रिमता के आँचल से ढकते जा रहे हैं।

(1) जंगली जानवरों की कमी का कारण है—

(क) प्रकृति देवी
(ख) वनों का अभाव
(ग) सहज संतुलन
(घ) सभ्यता।

(2) मानव की उद्दंडता का परिणाम है—

(क) प्रकृति की हरीतिमा का घटना
(ख) जंगली जानवरों की बढ़ोतरी
(ग) प्रकृति के प्रति बढ़ता लगाव
(घ) सभ्यता का विकास।

(3) शुद्ध वायु व जल का धरातल पर मिलना कठिन है—

(क) जंगली जानवरों की बढ़ोतरी के कारण
(ख) बढ़ते वनों के कारण
(ग) सिकुड़ते वनों के कारण
(घ) नदी जल के दूषित होने के कारण।

(4) आज प्रकृति देवी का अनादर हो रहा है—

(क) सभ्यता के प्रचार-प्रसार के कारण
(ख) हरियाली के कारण
(ग) वनों के विकास के कारण
(घ) प्रकृति के प्रति मनुष्य के उपेक्षा भाव के कारण।

(5) सभ्यता के नाम पर मानव ने बलि दे दी है—

(क) आरामदायक वस्तुओं की
(ख) सुखों की
(ग) वनों की
(घ) उद्दंडता की।